ग्रामीणों के बीच पहुंचे आचार्यश्री महाश्रमण

केलवा गांव को नशामुक्त कराने का दिलाया संकल्प, नुक्कड सभा के माध्यम से दिया संदेश, बडी संख्या में ग्रामीणों ने बीडी के बंडल आचार्यश्री के चरणों में चढाए

केलवाः 24 सितम्बर

गांव को पूरी तरह से नशामुक्त कराने के उद्देश्य से शनिवार सुबह तेरापंथ धर्मसंघ के 11वें अधिशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण ग्रामीणों के बीच पहुंचे और उन्हें पूरे गांव को नशामुक्त कराने का संकल्प दिलाया। इस दौरान जनमैदिनी उमड पडी और कई लोगों ने आचार्यश्री के समक्ष ही नशा नहीं करने का संकल्प लेते हुए बीडी के बंडल उनके चरणों में चढाए तथा जीवन में कभी भी किसी तरह का नशा नहीं करने की कसम ली।

गांव के रेगर मौहल्ले में सुबह आयोजित नुक्कड सभा में आचार्यश्री ने ग्रामीणों से कहा कि नशा करने से वे अपना जीवन को खराब कर ही रहे है। साथ ही आने वाली पीढी को भी प्रेरणा देने में कोई कसर नहीं छोड रहे है। इसे त्यागने से जहां स्वयं का शरीर स्वस्थ होगा वहीं आर्थिक तंगी की समस्या से भी निजात मिल सकेगी। परिवार में कलह और झगडे की स्थितियों में भी कमी आएगी और परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा। यह सब आप जीवन में चाहते हो तो आज ही नशे को त्यागने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। इस पर बडी संख्या में ग्रामीणों ने नशा नहीं करने का संल्प लेते हुए बीडी के बंडल उनके चरणों में समर्पित किए।

मुनि जयंतकुमार ने कहा कि हम आपके पास न तो वोट और न नोट मांगने आए है। हमें तो आपसे केवल जीवन की खोट चाहिए। नशे से परिवार की शांति काफूर होती है और संग्रहित धन की भी बर्बादी होती है। नशे को त्यागने से दोनों ही बर्बाद नहीं होगी और जीवन खुशहाली के मार्ग पर आगे बढता चला जाएगा। मुनि प्रसन्नकुमार ने आचार्यश्री महाश्रमण के केलवा को नशामुक्त करने के संकल्प को मंजिल तक पहुंचाने का आग्रह करते हुए कहा कि नशा नाश का मार्ग है। इससे बचने के लिए इसका परित्याग करना आवश्यक है। इस अवसर पर व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोठारी ने भी विचार व्यक्त किए। इसके बाद राजकीय बालिका माध्यमिक विद्यालय में अपने संबोधन में आचार्यश्री ने छात्राओं को ईमानदारी, नैतिकता और सद्भावना रखने की

प्रेरणा दी। यहां पर विद्यालय परिवार ने आचार्यश्री के आगमन पर उनके स्वागत में पलक–पावडे बिछा दिए।

मर्यादा का उल्लघंन न करें व्यक्तिः आचार्यश्री महाश्रमण

केलवा में चातुर्मास, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के अधिवेशन का समापन, महावीर इंटरनेशनल राजसमंद संभाग स्तरीय सम्मेलन आज

केलवाः 24 सितम्बर

आचार्यश्री महाश्रमण ने कहा कि व्यक्ति को हमेशा अपनी मर्यादा में रहने की आवश्यकता है। इसका उल्लघंन होने से स्वयं के जीवन में उथल–पुथल हो सकती है। हमें भयभीत होकर नहीं, बल्कि निडर होकर जीवन व्यतीत करने की आवश्यकता है। जो व्यक्ति जागरूक और मूर्च्छा में नहीं जीता। वह अभय होकर अहिंसक बन सकता है। व्यक्ति अपने मन को टटोले और भीतर व्याप्त भय को बाहर की ओर निकालने का प्रयास करें। आचार्यश्री ने उक्त उद्‌गार शनिवार को यहां तेरापंथ समवसरण में अखिल भारतीय महिला मंडल के त्रिदिवसीय अधिवेशन के समापन अवसर पर श्रावक समाज के समक्ष व्यक्त किए।

उन्होंने अहिंसा और भय को परस्पर पृथक बताते हुए कहा कि अहिंसा की साधना के लिए अभय की साधना करना आवश्यक है। हम किसी तरह की त्रुटियां करते है तो उसके खुलासे की आशंका को लेकर मन में भय व्याप्त हो जाता है। कहीं हमारा रहस्य सार्वजनिक न हो जाए। इसलिए व्यक्ति जीवन में ऐसा कोई काम ही नहीं करें कि जीवन में हमें इस तरह की स्थिति का सामना करना पडे। पर्माद से दूर रहने की आवश्यकता है। तेरापंथ धर्मसंघ में भी अनेक तरह की मर्यादाएं है। उनका भी सभी पालन करते है। परिवारों में भी कुछ मर्यादाएं है, उसका पालन करने का प्रयास किया जाना चाहिए। हम अवरोहण की दिशा में नहीं आरोहण की दिशा में आगे बढें। उद्धारोहण में ईमानदारी के साथ–साथ व्यक्ति को अपने मन की इंद्रियों में चेतना जगाने और अनुकंपा की चेतना का विकास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति के कार्यों में पिछले कुछ समय से तेजी आई है। इसे बरकरार रखने की दिशा में कार्ययोजना बनाकर कर्म करने की जरुरत है। गुरुदेव आचार्य तुलसी ने भी महिलाओं के विकास में चिंतन किया और उनका पथ प्रदर्शक किया। उनके आशीर्वाद से महिला मंडल में एक नई ताकत का संचार हुआ है। मैं चुनाव प्रक्रिया को गलत

नहीं मानता। यह संगठन के लिए जरूरी भी है। इसके लिए यह आवश्यक है कि इसकी कार्यप्रणाली शालीनता से भरी हुई हो। महिला मंडल इस तरह का कार्य करें कि महिलाओं का अनवरत रूप से उत्थान होता रहे। श्राविकाएं कितना कार्य कर रही है। देशभर में चल रही ज्ञानशालाओं में करीब तीन हजार महिलाएं बच्चों का भविष्य बनाने में जुटी हुई है। इनमें से ही ज्ञानशाला प्राध्यापिका बनाने की आवश्यकता है। इनका नेटवर्क काफी मजबूत है। मंत्री मुनि सुमेरमल ने कहा कि जहां महिलाएं जागृत है वहां समाज विकास के पथ पर अग्रसर होता है और जहां यह सुसुप्त की अवस्था में है वहां समाज का विकास थम जाता है। श्राविकाओं को जागरूक रहकर श्रावक समाज को जगाने का प्रयास करना होगा। धर्मसंघ में सभी संस्थाएं अच्छा कार्य कर रही है। सभाएं दायित्व का निर्वाह कर रही है तो युवक परिषद का कार्य व्यवस्थित है। महिला मंडल सेवा में जागरूकता का परिचय दे रही है। उन्होंने महिला मंडल की सदस्याओं से कहा कि जागरण यह नहीं है कि हम केवल भाषण देकर या कार्ययोजना बनाकर अपने जिम्मेदारी से इतिश्री कर ले। आवश्यकता इस बात की है कि हम भाई लोगों को भी जागरूक बनाएं। इसके बिना संपूर्ण प्रगति की कल्पना करना कठिन है। धर्मसंघ प्रगृति के सोपान की ओर अग्रसर है। वर्तमान में अमृत महोत्सव चल रहा है और अगले वर्ष गुरुदेव आचार्यश्री तुलसी की जन्म शताब्दी महोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रम होंगे। साध्वी कल्पलता ने भी अपने विचार प्रकट किए। प्रारंभ में कोलकाता महिला मंडल की सदस्याओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया।

अखिल भारतीय महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष कनक बरमेचा ने पिछले दो वर्षों के दौरान कराए गए कार्यों को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष सूरज बरडिया ने महिला मंडल की कार्यसमिति में उपाध्यक्ष श्रीमती कल्पना बैद, श्रीमती कुमुद कच्छारा, मंत्री श्रीमती पुष्पा बैद, उपमंत्री सुमन नाहटा, विजयलक्ष्मी, कोषाध्यक्ष श्रीमती विमला दुग्गड, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती पूनम गुजराती सहित 28 सदस्यों को शामिल किया। इन्हें आचार्यश्री के सान्निध्य में प्रधान टस्टी सुशीला पटावरी ने पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रख्यात गायिका मीनाक्षी भूतोडिया ने गीत का संगान कर वातावरण को भक्ति के रस में घोल दिया। कार्यक्रम में निवर्तमान मंत्री श्रीमती वीणा बैद, व्यवस्था समिति के अध्यक्ष महेन्द्र कोठारी, स्वागताध्यक्ष परमेश्वर बोहरा, महिला मंडल केलवा की मंत्री श्रीमती रत्ना कोठारी ने भी विचार प्रकट किए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष बरडिया ने भावी कार्ययोजना की जानकारी दी।

महावीर इंटरनेशनल राजसमंद संभाग स्तरीय सम्मेलन आज

महावीर इंटरनेशन राजसमंद संभाग स्तरीय 10 वां अधिवेशन रविवार को सुबह ग्यारह बजे आचार्यश्री महाश्रमण के सान्निध्य में कान्फ्रेन्स हाल में आयोजित होगा। अध्यक्ष वीर महेन्द्र कोठारी ने बताया कि अधिवेशन के मुख्य अतिथि पाली संसदीय क्षेत्र के पूर्व सांसद व निवर्तमान अपेक्स अध्यक्ष वीर पुष्प जैन होंगे। अध्यक्षता महावीर इंटरनेशनल के राष्टीय अध्यक्ष वीर धीरज कोठारी करेंगे। विशिष्ट अतिथि एपेक्स के महासचिव वीर गोपाल मेहता, राष्टीय उपाध्यक्ष वीर आर. के चतुर और राष्टीय कोषाध्यक्ष वीर देवेन्द्र कच्छारा होंगे। अधिवेशन के दौर अब तक किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ भावी योजनाओं की क्रियान्विति पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।